शोध पत्रों का प्रेषण

प्रतिभागियों से निवेदन है कि शोध पत्र अधिकतम 2000 शब्दों में टंकित कर प्रेषित करें। शोध पत्र अंग्रेजी में टाइम्स न्यू रोमन लिपि (साइज 12) तथा हिन्दी में कृति देव–10 फॉन्ट (साइज 14) में एमएस वर्ड तथा PDF में निम्न ईमेल पर दिनांक 15 अक्टूबर 2025 तक प्रेषित करें।

प्रतिभागी अपना नाम, मोबाइल नम्बर, पूर्ण पता, पद और ईमेल एड्रेस भी अंकित करें।
वेबीनार के समय शोध–पत्र की हार्ड कॉपी भी साथ में लायें।
शोध–पत्र मेल आई.डी.–iqacmlb@gmail.com पर प्रेषित करें।

नोट : उक्तलिखित निर्धारित समय तक प्राप्त चयनित शोधपत्र/आलेख यथोचित संपादन के पश्चात् पुस्तक (ISBN) में प्रकाशित किये जाएगे। अतएव शोध पत्र–लेखन में गुणवत्ता एवं मानक संदर्भीकरण अनिवार्य है।

वेबीनार का कार्यक्रम

15 अक्टूबर 2025
(समय : 11:30 से 04:00 बजे)

- उद्घाटन सत्र : 11:30 पूर्वान्ह से 01:30 अपरान्ह
- तकनीकी सत्र : 01:30 अपरान्ह से 03:00 अपरान्ह
- समापन सत्र : 03:00 अपरान्ह से 04:00 अपरान्ह

आयोजन स्थल

अटल बिहारी वाजपेयी सभागार
महारानी लक्ष्मीबाई कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, अचलेश्वर मंदिर के पास, लश्कर, ग्वालियर –474009 (म.प्र.)
Website : https://mlbg.ac.in/

डॉ० हरीश कुमार अग्रवाल
(संरक्षक एवं प्राचार्य)

आयोजन समिति

डॉ० भारती कर्णिक
(संयोजक)
डॉ० संजय गुप्ता
(आयोजन सचिव)
डॉ० प्रदीप गुप्ता
(परीक्षा नियंत्रक)
डॉ० वी. के. अग्रवाल
डॉ० विभा दूर्वार
डॉ० एस. पी. शर्मा
डॉ० अनीता मेवाफरोश

सलाहकार मंडल

डॉ० विजय लक्ष्मी गुप्ता
(डीन–कला संकाय)
डॉ० डी.एस. राणा
(डीन–वणिज्य संकाय)
डॉ० अर्चना अग्रवाल
(अकादमिक सचिव)
डॉ० रियाज़ अली
(प्रशासनिक अधिकारी)
डॉ० सुधीर शर्मा
(प्रशासनिक अधिकारी)
समस्त विभागाध्यक्ष

तकनीकी समिति

डॉ० जितेन्द्र श्रीवास्तव
डॉ० रवि शंकर पाठक
डॉ० अशोक कुमार

स्मारिका प्रकाशन समिति

डॉ० श्रद्धा सक्सैना
डॉ० वी.के. अग्रवाल
डॉ० साधना अग्रवाल
डॉ० रविकांत द्विवेदी

संपर्क

डॉ० भारती कर्णिक 9425717954
डॉ० जितेन्द्र श्रीवास्तव 9406982823
डॉ० विभा दूर्वार 9425360545

Ragistration link
https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSfZpekPFle5l_1MAftRXx6iXmhVMpsaggxR-5mFFODQmomvEg/viewform

WhatsApp Group link
https://chat.whatsapp.com/GFeQvOjDd99Efkp2shj4Sz?mode=wwt

राष्ट्रीय वेबीनार
National Webinar

चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व का समग्र विकास
Character Building & Holistic Development of Personality

दिनांक 15 अक्टूबर 2025 (बुधवार)
महारानी लक्ष्मीबाई कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, ग्वालियर

मुख्य वक्ता
प्रो० नवीन चंद्र लोहनी
कुलपति,उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय,हाल्द्वानी

विषय विशेषज्ञ
प्रो० अंशु केडिया
प्राचार्य,खुनखुनजी कन्या महाविद्यालय,लखनऊ (उ.प्र.)

अध्यक्ष
प्रो० कुमार रत्नम
अतिरिक्त संचालक,उच्च शिक्षा (ग्वालियर–चंबल संभाग)

मुख्य अतिथि
श्री दीपेन्द्र सिंह कुशवाह
अतिरिक्त महाधिवक्ता (अध्यक्ष,जन भागीदारी समिति)

संरक्षक
प्रो० हरीश कुमार अग्रवाल
(प्राचार्य)

संयोजक
प्रो० भारती कर्णिक
समन्वयक (IQAC)

महारानी लक्ष्मी बाई कला एवं बाणिज्य महाविद्यालय,ग्वालियर

आयोजक : आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
महारानी लक्ष्मीबाई कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय
ग्वालियर (म.प्र.)

चरित्र–निर्माण एवं व्यक्तित्व का समग्र विकास
Character Building & Holistic Development of Personality

चरित्र–निर्माण एवं व्यक्तित्व का समग्र विकास मनुष्य होने की पहली शर्त है। चरित्र–निर्माण एवं व्यक्तित्व का समग्र विकास व्यक्ति के जीवन की वह आधारशिला है, जिस पर उसका वर्तमान और भविष्य दोनों निर्मित होते हैं। यह केवल नैतिक मूल्यों को अपनाने या अच्छे आचरण तक सीमित नहीं है, बल्कि मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक और आध्यात्मिक सभी आयामों में संतुलित उन्नति का समावेश करता है। जब व्यक्ति के विचार, व्यवहार और निर्णय उच्च आदर्शों से संचालित होते हैं, तभी उसका व्यक्तित्व प्रभावशाली एवं प्रेरणादायी बनता है। चरित्र–निर्माण के माध्यम से मनुष्य आत्मानुशासन, ईमानदारी, सहनशीलता और करुणा जैसे गुणों को आत्मसात करता है, जबकि समग्र व्यक्तित्व विकास उसे आत्मविश्वासी, संवेदनशील और समाजोपयोगी नागरिक के रूप में स्थापित करता है। यही प्रक्रिया अंततः न केवल व्यक्ति को सफल बनाती है, बल्कि समाज के नैतिक उत्थान में भी महत्वपूर्ण योगदान देती है। भारतीय ज्ञान की समस्त शाखाएं मनुष्य के व्यक्तित्व को समग्रता में विकसित करने के उद्देश्य से विकसित हुई हैं। भारतवर्ष की शिक्षा के मूल में ही आदर्श मूल्यों और विरासत से जोड़ते हुए नैतिक धरातल पर मनुष्य के समग्र व्यक्तित्व का विकास करना विद्यमान है। दुर्भाग्य और संयोग से परिस्थियों की दुरभिसंधि के कारण आज हम उससे कहीं दूर होते चले जा रहे हैं। भारत अब राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को आत्मसात कर युवाओं के नैतिक एवं चारित्रिक विकास को केंद्र में रखकर व्यक्तित्व के समग्र विकास की ओर तेजी से कदम बढ़ा चुका है। विकसित भारत की तेज रफ्तार में आज का युवा आर्थिक विकास के सोपान तेज़ी से चढ़कर लक्ष्य प्राप्त करने की ओर अग्रसर है, किंतु डिजिटल और सोशल मीडिया की चकाचौंध में विकसित युवा के चरित्रवान व्यक्तित्व का समग्र विकास हो सके, यह बड़ी चुनौती है। वर्तमान समय की महती आवश्यकता है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में युवाओं के व्यक्तित्व–विकास पर पर्याप्त सार्थक विमर्श हो और समुचित निष्कर्ष निकले। इस वेबीनार की परिकल्पना का यही प्रयोजन है।

चरित्र–निर्माण एवं व्यक्तित्व का समग्र विकास
Character Building & Holistic Development of Personality

उपविषय /Sub-themes

- भारतीय संस्कृति और चरित्र निर्माण
- आधुनिक शिक्षा व्यवस्था और समग्र व्यक्तित्व का विकास
- युवाओं के चरित्र–निर्माण में बाधक सोशल मीडिया
- युवाओं के समग्र व्यक्तित्व–विकास में साहित्य की भूमिका
- युवाओं के चरित्र–निर्माण एवं व्यक्तित्व के समग्र विकास में नैतिकता का महत्व
- आधुनिक परिवेश और युवाओं के चरित्र–निर्माण की चुनौतियाँ
- युवाओं के समग्र व्यक्तित्व–विकास में नैतिक शिक्षा की भूमिका
- सकारात्मक सोच और लक्ष्य निर्धारण का समग्र विकास में योगदान
- आध्यात्मिक दृष्टिकोण से व्यक्तित्व का समग्र निर्माण
- डिजिटल युग में चरित्र–निर्माण की चुनौतियाँ एवं समाधान
- समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए योग और ध्यान की उपयोगिता
- Leadership through community development
- Art, music and literature in shaping personality
- Meditation and mindfulness for mental peace and growth
- The role of NEP 2020 in the holistic development of personality
- Effective communication skills and interpersonal skills for personality development
- Relevance of Gandhian way of life
- Strong character and balanced personality as economic capital
- Use of AI in Personality development
- Learning values through historical perspective
- Empathy : Need of the society
- Nation building through character building

महारानी लक्ष्मीबाई कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय ग्वालियर (म.प्र.)

नगर के सुप्रसिद्ध अचलेश्वर मंदिर के निकट स्थित इस महाविद्यालय का गौरवमयी इतिहास रहा है। महाविद्यालय के भवन का शिलान्यास एवं विक्टोरिया कॉलेज के रूप में नामकरण सन् 1887 में हुआ था। इस संस्थान का आरंभ लश्कर मदरसा के रूप में सन् 1846 में हुआ था तथा सन् 1957 में इस का पुनः नामकरण वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई के नाम पर किया गया। इस महाविद्यालय में सन् 1992 में अपनी स्थापना के शताब्दी वर्ष का भव्य समारोह तत्कालीन महामहिम राष्ट्रपति श्री रामास्वामी वेंकटरमण की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित हुआ था। यह महाविद्यालय पूर्व प्रधानमंत्री माननीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी, श्री हरिहर निवास द्विवेदी, कैप्टन रूप सिंह डॉ० शिवमंगल सिंह 'सुमन' जैसी महान विभूतियों की अध्ययन स्थली रहा है।

महाविद्यालय को नैक NAAC द्वारा 2014 से 'A' ग्रेड प्राप्त है यू.जी.सी. द्वारा सत्र 2019 से स्वशासी दर्जा प्राप्त है।